मेला कार्तिक का दिखा दो

मेला कार्तिक का दिखा दो दर पे मुझे अब बुला लो,
मैं अकेला हो न जाऊ दूर चरणों से हो न जाऊ बाबा मुझको गले से लगा लो,
मेला कार्तिक का दिखा दो दर पे मुझे अब बुला लो,

दुखड़े सब के मिटा दो मोरछड़ी लेहरादो,
मैं अकेला हो न जाऊ दूर चरणों से हो न जाऊ बाबा मुझको गले से लगा लो,
मेला कार्तिक का दिखा दो दर पे मुझे अब बुला लो,

हारे का साथ निभा दो मुझको आकर जीता दो,
दास गौरव खो न जाए दूर चरणों से हो न जाऊ बाबा मुझको गले से लगा लो,
मेला कार्तिक का दिखा दो दर पे मुझे अब बुला लो,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13325/title/mela-kartik-ka-dikha-do-dar-pe-mujhe-ab-bula-lo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |